डा0 संतोष कुमार सिन्हा
एम0 फिल0,पी–एच0 डी0
रीडर, समाजशास्त्र विभाग
श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0. कालेज बलिया

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मुहम्मद शोबराती ने मेरे निर्देशन मे 'मुस्लिम समुदाय मे जातीय गतिशिलता' एक समाजशास्त्रीय अध्ययन शोध प्रबन्ध पूर्ण किया है। यह उनके कठिन परिश्रम का परिणाम है। यह एक मौलिक शोध प्रबन्ध है। इसे मुल्यांकनार्थ प्रेषित करने की अनुशंसा करता हूँ।

17-02-09

प्राचार्य	विभागाध्यक्ष	निर्देशक
डा0वी0के सिंह	डा0 ओंकार लाल	डा0संतोष कुमार सिन्हा

प्राक्कथन

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध 'मुस्लिम समुदाय मे जातीय गतिशीलता' एक समाजशास्त्रीय अध्ययन है। इस्लाम धर्म मे जातीय सामाजिक संस्तरण की कोई वैचारिकीय अथवा सैद्धान्तिक अवधारणा नही है। लेकिन मैने अपने छात्र जीवन काल मे देखा की सामाजिक संस्तरण मे अर्न्तनिहित जातिगत सामाजिक विषमता मुस्लिम समुदाय मे भी है। मै भी एक मुस्लिम समुदाय से सम्बन्धित हूँ । इसलिए मुझे इस व्यवहारिक और सैद्धान्तिक अवधारणाओ मे विभेद की वास्तवितकता को जानने की उत्कृष्ठ अभिलाषा जागृति हुई। मैने अपने अध्ययन क्षेत्र मे पाया की व्यवसायिक गतिशीलता और आर्थिक प्रस्थिति के उन्नयन से ही जातीयगतिशीलता के आयाम अधिक प्ररिलक्षित हो रहे है।

प्रस्तुत अध्ययन मे अनेक विज्ञ जनों का सहयोग हमे प्राप्त हुआ है। जिनके प्रति आभार प्रकट करना मेरा नैतिक कर्तव्य है। सर्वप्रथम मै अपने गुरूदेव एवं निर्देशक डा0 संतोष कुमार सिन्हा जी,रीडर समाजशास्त्र विभाग तथा इनकी धर्मपत्नी श्रीमति साधना सिन्हा के प्रति हृदय से अभारी हूँ जिनके विद्वत पूर्ण मार्ग दर्शन एवं समय समय पर आने वाली कठिनाइयों का सरलतम उपाय सुझाकर मेरे कार्य को सम्पन्न कराने मे पूर्ण सहयोग प्रदान किये है। मै अपने महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 बी0 के0 सिंह, विभागाध्यक्ष डा0 ओंकार लाल जी गुरूजन डा0 वी0के0 वैद्य,डा0 राम नरेश यादव,डा0 आर0पी0 सिंह,एवं डा0 निशा जी के प्रति आभारी हूँ। जिनका समय समय पर सस्नेह दिशा निर्देश मुझे प्राप्त होता रहा है।

मै अपने स्व0पिता आस मोहम्मद के चरणो मे नत मस्तक हूँ जिनकी स्मृतियाँ ही हमारे जीवन के पथ प्रदर्शक और प्रेरणा श्रोत है। माँ फातिमा खातुन के उस वात्सल्य, स्नेह, आर्शिवाद को शब्दो मे व्यक्त नही कर सकता हूँ। वे मेरी पूज्यनीया है,जो पिता के छत्र छाया के अभाव मे यहाँ तक पहुचने मे अभिप्रेरित करती रही है। मै भ्रातृत्वतुल्य गुरूभाई वैभव सिन्हा के प्रेम और साथ को विस्मृति नही कर सकता हूँ। इसी तरह चाचा श्री मकबूल अहमद,श्री नेहाल अहमद तथा इमामिया इण्टरमीडिएट कालेज रसड़ा के प्रबन्धक सै0मु0 मुजतबा हुसैन प्रधानाचार्य सैयद अहमद तथा हमारे साथ पढाने वाले अध्यापक बन्धुओ ने मुझे हरेक परिस्थिति आत्मीय सहयोग प्रदान किए मै इन सबके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

फरवरी 2009

मुहम्मद शोबराती